M.A. IVth Semester

Paper I (पेपर – I)

Contemporary Western Philosophy

समकालीन पाश्चात्य दर्शन

Unit-I (इकाई –I)

Pragmatism: Introduction and Characteristics

व्यवहारवाद (अर्थक्रियावाद) : परिचय और विशेषताएँ

C.S. Pierce and William James: Pragmatic theories of meaning and truth

सी.एस. पीअर्स और विलियम जेम्स : अर्थ तथा सत्य के अर्थक्रियात्मक सिद्धान्त

Unit-II (इकाई –II)

G. Ryle: Systematically misleading expressions, category mistake, concept of mind, critique of Cartesian dualism

जी.राइल : भ्रामक अभिव्यक्तियों का सिद्धान्त, श्रेणीपरक कोटि त्रुटि, मन की अवधारणा, देकार्तीय द्वैतवाद की आलोचना

Frege: Distinction between sense and reference, identity

फ्रेगे : प्रयुक्त शब्द (अर्थ) तथा शब्द–निर्देश में भेद, तादात्म्य

Unit-III (इकाई –III)

Russell: The meaning and role of singular terms: (a) Proper names, (b) definite descriptions

रसल : एकवचनात्मक पदों का अर्थ एवं भूमिका, व्यक्तिवाचक संज्ञाएं अथवा नाम, निश्चित वर्णन

Austin: Pragmatics: Meaning and use; speech acts

ऑस्टिन : व्यवहारमूलक (क्रियात्मकताशास्त्र) : अर्थ तथा उपयोग, वाक् क्रियाएँ

Unit-IV (इकाई –IV)

Quine: Theory of meaning

क्वाइन : अर्थ का सिद्धांत

Davidson: The relation between meaning and truth

डेविडसन : अर्थ और सत्य के बीच सम्बन्ध

Unit-V (इकाई –V)

Searle: Speech acts

सर्ल : वाक् क्रियाएँ

Recommended Books

1. लक्ष्मी सक्सेना आदि (संपा.) : समकालीन पाश्चात्य दर्शन
2. बी.के. लाल : समकालीन पाश्चात्य दर्शन
3. D.M. Dutta : The Chief Currents of Contemporary Philosophy
4. Gilbert Ryle : The Concept of Mind